SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

Post-Event Report

Event	व्याख्यान
Topic	वर्तमान परिदृश्य में मीडिया: तथ्य और सत्य
Organizer	हिंदी साहित्य सभा मंथन ।
Date	22 सितंबर 2025
Time	11:30 बजे
Duration	2 घंटे
Place/Platform	संगोष्ठी कक्ष
Number of Participants	30+
Welcome Speech	जिज्ञासा

Activities

22 सितंबर 2025 को श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के हिंदी व हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने हिंदी साहित्य सभा मंथन द्वारा "वर्तमान परिदृश्य में मीडिया: तथ्य और सत्य" विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ औपचारिक स्वागत एवं परिचयात्मक संबोधन से हुआ।

मुख्य वक्ता श्री अनुरंजन झा जी ने अपने विस्तृत व्याख्यान में बताया कि आधुनिक मीडिया परिदृश्य में तथ्यों और सत्य के बीच की रेखा लगातार धुंधली होती जा रही है। उन्होंने बताया कि आज मीडिया कई बार केवल बिना संदर्भ के तथ्य प्रस्तुत करता है, जिससे आधा-सत्य निर्मित होता है।

उन्होंने TRP, स्पीड और डिजिटल प्रतिस्पर्धा के बढ़ते दबाव को मीडिया की विश्वसनीयता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। वक्ता ने बताया कि फेक न्यूज, क्लिकबेट और नैरेटिव निर्माण जैसी प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर कर रही हैं।

कार्यक्रम में श्रोताओं ने भी मीडिया की भूमिका, जनमत-निर्माण, राजनीतिक प्रभाव, सोशल मीडिया पत्रकारिता और नैतिकता के मुद्दों पर प्रश्न पूछे।

अंत में, संगोष्ठी का समापन महेंद्र प्रताप सिंह द्वारा दिए गए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने श्री अनुरंजन झा जी के ज्ञानवर्धक व्याख्यान और सभी उपस्थित लोगों की सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक और उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

Main Ideas
• इस कार्यक्रम का मूल विचार यह था कि मीडिया केवल सूचना देने तक सीमित न रहकर सत्य के समग्र स्वरूप को सामने लाए। अनुरंजन झा ने बताया कि तथ्य और सत्य में अंतर समझना आज के मीडिया उपभोक्ताओं और पत्रकारों दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है। • वक्ता ने स्पष्ट किया कि मीडिया की स्पीड-प्रतिस्पर्धा ने सत्यापन प्रक्रिया को क्षति पहुँचाई है। खबरें पहले और सत्य बाद में आने लगा है, जिससे विश्वसनीयता पर प्रश्न उठते हैं। • व्याख्यान में बताया गया कि फेक न्यूज, मॉर्फ्ड वीडियो, और बिना स्रोत वाली सूचनाएँ "पोस्ट-ट्रुथ युग" को जन्म दे रही हैं, जहाँ भावनाएँ तथ्य से अधिक प्रभाव पैदा करती हैं। • एक महत्वपूर्ण विचार यह था कि मीडिया अब केवल सूचना का वाहक नहीं, बल्कि नेरेटिव का निर्माता बन चुका है। समाचारों के चयन, प्रस्तुति और भाषा से जनमत पर सीधा प्रभाव पड़ता है। • अनुरंजन झा ने कहा कि दर्शक भी उतने ही जिम्मेदार हैं जितने पत्रकार–क्योंकि वे बिना जांच के सामग्री को शेयर कर देते हैं, जिससे गलत सूचनाएँ तेजी से फैलती हैं। • उन्होंने मीडिया नैतिकता, पारदर्शिता, तथ्य-जाँच, और स्रोत विश्वसनीयता को मजबूत करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। • कार्यक्रम में यह भी चर्चा हुई कि नागरिक पत्रकारिता एक अवसर भी है और जोखिम भी–क्योंकि इसमें आवाज़ें तो विविध हैं, पर सत्यापन की प्रक्रिया कमजोर होती है। •वक्ता ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वस्थ मीडिया अनिवार्य है, और यह तभी संभव है जब पत्रकार और पाठक दोनों जागरूक, जिम्मेदार और तथ्य-आधारित दृष्टि अपनाएँ। •इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को मीडिया सामग्री को आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ने और सत्य की पहचान करने के महत्व से अवगत कराया। •हिंदी विभाग तथा हिंदी साहित्य सभा मंथन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में मीडिया-चेतना और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सफल रहा।

Vote of thanks	**महेंद्र प्रताप सिंह**

Poster (Attach below)

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

	Pictures (Attach Five Photos)

Attach Photocopy of two Certificates-

हस्ताक्षर:

डॉ . अंजुबाला
(विभाग प्रभारी)

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE

Dev Nagar, Delhi - 110005